

पौलुस ह ए चट्ठी एसिया के कुलुसूसी सहर के कलीसिया ला लिखे रहिसि। हालांकि पौलुस ह ए कलीसिया के स्थापना नई करे रहिसि, तभो ले ओह ए कलीसिया बर अपन जमिंदारी के अनुभव करसि। पौलुस ला ए बात बताय गे रहिसि कि उहां कलीसिया म कुछ लबरा गुरूमन रहिनि, जऊन मन मनखेमन ला ए सखोवत रहिनि कि परमेसर ला जाने बर अऊ उद्धार पाय बर कुछ आत्मिक सकृति अऊ अधिकारीमन के पूजा करना जरूरी ए। ए गुरूमन ए घलो सखोवत रहिनि कि रीति-रिवाज ला मानना जरूरी ए, जइसने काखतना करई; ओमन भोजन के बारे म घलो अइसने बात कहत रहिनि। पौलुस ह ए लबारी सकिछा के बरिोध करे बर, ए चट्ठी लिखिसि अऊ सही मसीही संदेस के पालन करे बर कहसि। ए चट्ठी ला लिखे के सार ए अय कयीसू मसीह ऊपर बसिवास करे के दुवारा उद्धार मिलथे अऊ आने बसिवास अऊ रीति-रिवाज ह मनखे ला उद्धार ले दूरहा ले जाथे। परमेसर ह ए संसार ला मसीह के जरयि बनाईस अऊ उद्धार के आसा ह सरिपि मसीह के दुवारा हवय। पौलुस ह जेल म रहिसि, जब ओह ए चट्ठी ला लिखिसि। तुखकुस नांव के ए बसिवासी ह ए चट्ठी ला कुलुसूसी के कलीसिया म लेके गीस अऊ उनेसमिस ह ओकर संग गीस, जेकर बखान पौलुस ह फलिमोन ला लिखे चट्ठी म करे हवय। ए चट्ठी ला खाल्हे लिखे भाग म बांटे जा सकथे।

भूमिका 1:1-8

मसीह के सुभाव अऊ काम 1:9-2:19

मसीह म नवां जनिगी 2:20-4:6

सार बात 4:7-18

**1** में पौलुस, जऊन ह कि परमेसर के ईछा ले मसीह यीसू के एक प्रेरित अंव, हमर भाई तीमुथियुस के संग- 2कुलुसूसी सहर के परमेसर के ओ मनखेमन ला ए चट्ठी

लिखित हंव, जऊन मन मसीह म पबतिर अऊ बसिवासी अंय।

तुमन ला, हमर ददा परमेसर ले अनुग्रह अऊ सांति मिलय।

### धनबाद अऊ पराथना

3जब हमन तुम्हर बर पराथना करथन, त हमन हमेसा परमेसर, हमर परभू यीसू मसीह के ददा ला धनबाद देथन। 4काबरका हमन सुने हवन कि मसीह यीसू म तुम्हर बसिवास हवय अऊ तुमन परमेसर के जम्मो संतमन ला मया करथव। 5तुम्हर ए बसिवास अऊ मया ओ आसा के कारन हवय, जऊन ह स्वरग म रखे हवय अऊ जेकर बारे म तुमन पहिली ले सच के बचन याने कि सुघर संदेस म सुन चुके हवव, 6जऊन ह तुम्हर करा आय हवय। जम्मो संसार म ए सुघर संदेस ह फर लावथे अऊ बढ़त जावत हवय, जइसने कि एह तुम्हर बीच म ओ दिन ले फरत अऊ बढ़त जावत हवय, जऊन दिन तुमन एला सुनेव अऊ एकर जम्मो सच्चाई के संग परमेसर के अनुग्रह ला समझेव। 7तुमन ला ए सकिछा, हमर मयारू संगी सेवक इफ्रसास ले मिले हवय, जऊन ह हमर तरफ ले मसीह के एक बसिवास के लइक सेवक अय, 8अऊ ओह हमन ला तुम्हर मया के बारे म बताईस, जऊन ह पबतिर आत्मा के दुवारा देय गे हवय।

9एकर कारन, जऊन दिन ले हमन तुम्हर बारे म सुने हवन, ओ दिन ले हमन तुम्हर बर हमेसा पराथना करत हवन अऊ परमेसर ले बनिती करथन कि ओह तुमन ला जम्मो आत्मिक बुद्धि अऊ समझ के जरयि अपन ईछा के गयान ले भर देवय। 10अऊ हमन पराथना करथन, ताकि तुमन परभू के लइक जनिगी जीयव अऊ ओला हर किसिम ले खुस रखव; अऊ तुमन हर एक बने काम के दुवारा फर लानव, अऊ परमेसर के गयान म बढ़त जावव। 11अऊ ओकर महिमामय सामरथ के मुताबिक जम्मो किसिम के सकृति म मजबूत होवत जावव, ताकि तुमन म जादा सहन सकृति अऊ धीरज होवय, 12अऊ आनंद

सहित परमेसर ददा के धनबाद करव, जऊन ह की तुमन ला एकर लइक बनाईस की तुमन अंजोर के राज म संतमन के संग वारिस होवव। 13परमेसर ह हमन ला अंधियार के सक्ती ले छोड़ाईस अऊ अपन मयारू बेटा के राज म लानसि। 14जेकर दुवारा हमन ला पाप ले मुक्ती याने की पाप के छेमा मलिथे।

### मसीह ह सबले बड़े ए

15मसीह ह अदृश्य परमेसर के सरूप अऊ जम्मो सरिसिटी म पहलांत अय। 16काबरकी ओकरे दुवारा जम्मो चीज सरिजे गीस: ओ जम्मो चीज जऊन ह स्वर्ग अऊ धरती म हवय, देखे अऊ अनदेखे चीज; चाहे सधासन हो या राज; सासन करइया हो या अधिकारी; जम्मो चीज ह ओकरे दुवारा सरिजे गीस अऊ ओकरे बर सरिजे गीस। 17ओह जम्मो चीज ला सरिजे के पहली रहिसि अऊ ओम जम्मो चीज एक संग टकि रहथि। 18अऊ ओह देहें याने की कलीसिया के मुड़ी अय। ओहीच ह सुरू (आरंभ) ए अऊ मरे मनखे म ले पहली जी उठइया घलो, ताकी हर एक बात म ओह मुखिया ठहरिय। 19काबरकी परमेसर ला ए बात म खुसी होईस की ओकर जम्मो सुभाव ओम रहय, 20अऊ कुरस म बहे ओकर लहू के दुवारा सांति स्थापति करय अऊ ए किसिम ले अपन संग ओ जम्मो चीज के मेल-मलाप करय; चाहे ओ चीज धरती के होवय या फेर स्वर्ग के।

21एक समय रहिसि, जब तुमन परमेसर ले बहुंत दूरहो हो गे रहेव अऊ अपन खराप बरताव के कारन ओकर बईरी रहेव। 22पर अब परमेसर ह, मसीह के सारीरिक मरितू के दुवारा तुम्हर मेल-मलाप करे हवय, ताकी ओह तुमन ला अपन आघू म पबतिर, नसिकलंक अऊ नरिदोस करके लानय- 23यदी तुमन अपन बसिवास म स्थिर अऊ अटल बने रहव अऊ सुघर सदेस के आसा ले नई डगिव त। एह ओ सुघर सदेस ए, जऊन ला तुमन सुनेव अऊ जेकर परचार अकास के

खालहे म हर एक जीव ला करे गे हवय, अऊ जेकर में पौलुस ह सेवक बने हवव।

### कलीसिया बर पौलुस के महिनत

24तुम्हर हति म, मेंह जऊन दुःख उठाय हवव, अब मेंह ओकर बर आनंद मनावत हंव। अऊ मसीह के दुःख म जऊन कमी हवय, ओला मेंह अपन देहें म पूरा करथंव। मेंह एला मसीह के देहें के हति म करथंव अऊ ओकर देहें ह कलीसिया अय। 25परमेसर के दयि हुकूम के दुवारा मेंह ए कलीसिया के सेवक बने हवव, ताकी परमेसर के बचन ला मेंह तुमन ला पूरा-पूरा बता सकव- 26एह ओ भेद ए, जऊन ला ओह जुग-जुग अऊ पीढ़ी-पीढ़ी तक छुपा के रखे रहिसि, पर अब एला ओकर संतमन के ऊपर परगट करे गे हवय। 27ओमन ला परमेसर ह चुनिस ताकी ओमन ए भेद के महिमामय धन ला आनजातमन के बीच म बतावय। अऊ भेद ए अय की मसीह ह तुमन म रहथि अऊ ओह महिमा के आसा अय।

28हमन ओकर परचार करथन। हमन जम्मो गयान के संग हर एक इन ला चेताथन अऊ सीखोथन। ताकी हमन हर एक इन ला सिद्धि करके मसीह म ला सकन। 29एकरसेती, मेंह पूरा ताकत सहित महिनत अऊ संघर्ष करथंव, अऊ ए ताकत मोला मसीह ले मलिथे अऊ मोला उत्साहित करथे।

2 मेंह चाहथंव की तुमन जान लेवव की तुमन बर अऊ जऊन मन लौदीकिया सहर म हवय, ओमन बर अऊ ओ जम्मो इन जऊन मन मोर चेहरा नई देखे हवय ओमन बर, मेंह कतेक कठोर महिनत करत हवव। 2मेंह ए महिनत एकरसेती करत हवव, ताकी ओमन उत्साहित होवय अऊ मया म एक होके रहय; अऊ ओमन ला पूरा समझ के जम्मो धन मलिय; अऊ ओमन परमेसर के भेद ला जानय, अऊ ओ भेद ह मसीह अय; 3जऊन म बुद्धि अऊ गयान के जम्मो भंडार छुपे हवय। 4मेंह तुमन ला ए बात एकरसेती कहत हंव, ताकी कोनो

तुमन ले भरमाने वाला बात करके धोखा झन देवय। 5हालाका मेंह देहें के मुताबकि तुमन ले दूरहिया हवंव, पर आतमा म मेंह तुम्हर संग हवंव, अऊ मेंह ए देखके खुस हवंव की तुमन सही जनिगी जीयत हवव अऊ मसीह म तुम्हर बसिवास ह मजबूत हवय।

### मसीह के दुवारा छुटकारा

6जब तुमन मसीह यीसू ला परभू मान ले हवव, त ओम बने रहव। 7ओम जरी धरत अऊ बढ़त जावव, अऊ जइसने तुमन ला सखिओ गे हवय, बसिवास म मजबूत होवत जावव, अऊ धनबादी हरिदय ले भरे रहव।

8सचेत रहव की कोनो बेकार के गयान अऊ चापलूसी गोठ के दुवारा तुमन ला अपन बस म झन कर लेवय, जऊन ह मनखे के रीति अऊ ए संसार के मूल नियम के ऊपर नरिभर रहथि, पर मसीह के ऊपर नरिभर नई रहय।

9काबरकी मसीह म जम्मो ईसवरीय परपूरनता ह देहें के रूप म वास करथे, 10अऊ ए परपूरनता मसीह म तुम्हर करा हवय, जऊन ह हर सकृति अऊ अधिकार के ऊपर मुखिया ए। 11तुम्हर पापी सुभाव ला अलग करके, मसीह म तुम्हर घलो खतना करे गे हवय। ए खतना अइसने नो हय, जऊन ह मनखेमन के हांथ ले करे जाथे, पर ए खतना मसीह के दुवारा करे गे हवय। 12मसीह संग तुमन बतसिमा म दफनाय गेव अऊ अपन बसिवास के जरयि ओकर संग जी उठेव, अऊ एह परमेसर के सामरथ के दुवारा होईस, जऊन ह मसीह ला मरे म ले जियाईस।

13जब तुमन अपन पाप म अऊ अपन पापी सुभाव के बगिर खतना के हालत म मर गे रहव; तभे परमेसर ह मसीह के संग तुमन ला जियाईस। ओह हमर जम्मो पाप ला छेमा करसि। 14अऊ ओ लखिति बंधक पत्र जऊन ह हमर बरिंध म रहिसि अऊ जेकर बंधि-बिधान घलो रहिसि; ओह ओ जम्मो ला खारजि कर दीस। ओह ओला कुरुस म खीला ठोंकके हटा दीस। 15ओह अपन-आप

ला सकृति अऊ अधिकार के बंधन ले मुक्त करसि अऊ कुरुस के दुवारा ओमन के ऊपर जय पाईस अऊ ओह ओमन के खुल्लम-खुल्ला तमासा बनाईस।

16एकरसेति, तुम्हर खाना-पीना या धारमकि तहिर या नवां चांद के उत्सव या बसिराम दिन के बारे म कोनो ला तुम्हर ऊपर दोस लगाय के कोनो मऊका झन देवव। 17ए जम्मो ह अवइया बातमन के सरिपि एक छइहां अय। पर सही बात ह मसीह म मलिथे। 18सचेत रहव किजऊन ह झूठ-मूठ के दीनता अऊ स्वरगदूतमन के पूजा म खुस रहथि, ओह तुमन ला इनाम ले अलग झन कर देवय। अइसने मनखे ह जऊन चीज ला देखथे, ओहीच म अपन मन ला लगाथे अऊ बगिर कारन के अपन सोच-बिचार म घमंड करके फूलथे। 19ओह मुड़ी याने मसीह ले जुरे नई रहय, जेकर ले जम्मो देहें के पालन-पोसन होथे अऊ देहें के जोड़ अऊ नस मन ले एक संग जुड़े रहथि अऊ जइसने परमेसर चाहथे, वइसने बढ़त जाथे।

20यदी तुमन मसीह के संग मर गेव अऊ ए संसार के अधियार के राज ले छुटकारा पा गे हवव, त फेर तुमन काबर अइसने जनिगी बतावत हव, जइसने की अभी घलो तुमन संसार के अव? तुमन काबर एकर बंधि-बिधान ला मानथव? 21एकर ले दूरहिया रहव! एला झन चखव! एला झन छूवव। 22ए जम्मो चीजमन काम म आवत नास हो जाहीं, काबरकी एमन मनखे के बनाय नियम अऊ उपदेस अंय। 23वास्तव म, अइसने बंधि-बिधान म बुद्धि के एक दिखावा हवय। ए नियम म ओमन के खुद के गढ़े भकृति, झूठमूठ के दीनता अऊ ओमन के देहें के कठोर अभ्यास घलो हवय, पर देहें के लालसा ला रोके बर, एमन कोनो काम के नो हंय।

### पबतिर जनिगी जीये बर नियम

**3** जब तुमन मसीह के संग जीयाय गे हवव, त अपन मन ला ऊपर, स्वरगीय बातमन म लगावव, जहिं मसीह ह परमेसर

के जेवनी हांथ कोर्ता बईठे हवय। 2अपन मन ला ऊपर, स्वरगीय बातमन म लगावव, धरती के बात म नई। 3काबरका तुमन मर गे हवव, अऊ तुम्हर जनिगी ह अब मसीह के संग परमेसर म लुकाय हवय। 4जब मसीह, जऊन ह तुम्हर जनिगी ए, परगट होही, तब तुमन घलो ओकर संग महिमा म परगट होहू।

5एकरसेति, अपन ओ सुभावमन ला मार डारव, जऊन मन संसारकि अंय—जइसने की बेभचार, असुधता, काम-वासना, खराप-लालसा अऊ लोभ जऊन ह मूर्ती-पूजा सहीं अय। 6एकरे कारन परमेसर के परकोप ओमन ऊपर आथे, जऊन मन ओकर हुकूम नई मानय। 7एक समय रहिसि, जब तुमन घलो अइसने जनिगी जीयत रहेव, अऊ ए कसिम के बात म चले के तुम्हर आदत रहिसि। 8पर अब ए जरूरी अय की तुमन अइसने जम्मो बात ला छोड़ दव, याने कोरोध, रोस, बईरता, ननिदा, खराप गोठ करई। 9एक-दूसर के संग लबारी झन मारव, काबरका तुमन अपन जुन्ना सुभाव ला ओकर आदत सहति नकारि दे हवव, 10अऊ नवां सुभाव ला पहिरि ले हवव, जऊन ह गयान म नवां बनत जावत हवय अऊ एह अपन सरिजनहार के सरूप म होवथे। 11ए नवां जनिगी म, न तो कोनो यूनानी ए अऊ न यहूदी, न खतना वाला अऊ न खतनारहति, न जंगली, न असभ्य, न गुलाम अऊ न सुतंतर। पर मसीह ह जम्मो कुछू ए, अऊ ओह जम्मो म हवय।

12तुमन पबतिर अऊ बहुते मयारू अव। एकरसेति, परमेसर के चुने मनखेमन सहीं, अपन-आप ला तरस, दया, दीनता, नमरता अऊ धीरज ले भर लेवव। 13एक-दूसर के सहन करव अऊ एक-दूसर ला छेमा करव, चाहे एक-दूसर के बरिोध म कोनो घलो कसिम के सकियायत होवय। छेमा करव, जइसने परभू ह तुमन ला छेमा करसि। 14अऊ ए जम्मो बात के ऊपर मया ला बनाय रखव, जऊन ह तुमन ला सही एकता म एक संग बांधके रखथे।

15मसीह के सांति तुम्हर हरिदय म बने

रहय, जइसने की तुमन एक देहे के अंग के रूप म बलाय गे हवव। अऊ धनबाद देवइया बने रहव। 16मसीह के बचन ह तुमन म बहुंतायत से बने रहय, जइसने की तुमन बड़ समझदारी के संग एक-दूसर ला सीखोथव अऊ सलाह देखव, अऊ जइसने की अपन हरिदय म धनबाद सहति परमेसर बर भजन, इस्तुति अऊ आत्मकि गीत गाथव। 17अऊ जऊन कुछू घलो तुमन कहथिव अऊ करथव, ए जम्मो बात परभू यीसू के नांव म करव अऊ परभू यीसू के जरिये परमेसर ददा ला धनबाद देवव।

### मसीही परिवार बर नियम

18हे घरवाली हो, अपन-अपन घरवाला के अधीन रहव, जइसने की एह परभू म उचिति अय।

19हे घरवाला हो, अपन-अपन घरवाली ला मया करव अऊ ओमन के संग कठोर बरताव झन करव।

20हे लइकामन हो, हर एक बात म अपन-अपन दाई-ददा के बात मानव, काबरका परभू ह एकर ले खुस होथे।

21हे ददामन हो, अपन लइकामन ला तंग झन करव, नई तो ओमन हतास हो जाहीं।

22हे गुलाममन हो, हर एक बात म अपन-अपन मालिक के हुकूम मानव। सरिपि जब ओमन तुमन ला देखत रहथि या सरिपि ओमन के दलि जीते बर ही, ए काम झन करव, पर नसिकपट हरिदय ले परभू के आदर खातिर ए काम करव। 23जऊन कुछू घलो तुमन करथव, अपन पूरा मन लगाके करव। ए समझके की तुमन परभू खातिर करथव, मनखेमन खातिर नई। 24तुमन जानथव की इनाम के रूप म, तुमन ला परभू ले एक बरिसत मिलिही। काबरका ओह परभू मसीह ए, जेकर सेवा तुमन करत हव। 25जऊन ह खराप काम करथे, ओह अपन खराप काम के परतफिल पाही, काबरका परमेसर ह काकरो संग पखयिपात नई करय।

4 हे मालकिमन हो, अपन गुलाममन के संग सही अऊ बने बरताव करव;

काबरकी तुमन जानत हव की स्वरग म तुम्हर घलो एक मालकि हवय।

2सचेत होके, धनबाद सहति पराथना म लगे रहव। 3अऊ हमर बर घलो पराथना करव की परमेसर ह सुघर संदेस सुनाय खातरि हमर बर दुवार खोलय, ताकी हमन मसीह के ओ भेद के परचार कर सकन, जेकर खातरि मेंह जेल म हवंव। 4पराथना करव की मेंह एला साफ-साफ बता सकंव, जइसने की मोला करना चाही। 5अबसिवासीमन के संग बुद्धिमानी ले बरताव करव। दयि गय हर एक मऊका के सही उपयोग करव। 6तुम्हर गोठ ह हमेसा अनुग्रह ले भरे रहय अऊ मन-भावन होवय, ताकी तुमन ए जानव की हर एक ज्ञन ला सही जबाब कइसने दयि जावय।

### आखरी जोहार

7तुखकुस ह तुमन ला, मोर बारे म जम्मो बात बताही। ओह एक मयारू भाई ए अऊ परभू म एक बसिवास लइक अऊ संगी सेवक ए। 8एकरे कारन, मेंह ओला तुम्हर करा पठोवत हवंव, ताकी तुमन जानव की हमन कइसने हवन अऊ ए घलो की ओह तुमन ला ढाढ़स बंधावय। 9ओह हमर बसिवास लइक अऊ मयारू भाई उनेसमिस के संग आवत हवय, जऊन ह तुमन ले ही एक ज्ञन अय। इहां के जम्मो हाल-चाल, ओमन तुमन ला बताहीं। 10अरसितरखुस, जऊन ह मोर संग जेल म हवय, तुमन ला अपन जोहार कहथे, अऊ वइसने मरकुस घलो, जऊन ह बरनबास के भाई (चचेरा या ममेरा) ए, तुमन ला अपन जोहार कहथे। (जेकर बारे म तुमन ला ए कहे गे रहिसि की यदी ओह तुम्हर करा आथे, त ओकर सुवागत करव)। 11यीसू घलो, जऊन

ला युसतुस कहथिं, तुमन ला जोहार कहत हवय। यहूदीमन ले सरिपि एमन परमेसर के राज खातरि, मोर संगी करमी अंय, अऊ एमन के कारन मोला सांति मलिथे। 12इपफ्रास, जऊन ह तुमन ले एक ज्ञन अय, अऊ मसीह यीसू के एक सेवक अय, तुमन ला जोहार कहत हवय। ओह हमेसा बड़े उत्साह के संग तुम्हर बर पराथना करथे, ताकी तुमन परमेसर के जम्मो ईछा म मजबूत अऊ समझदार रहव अऊ ओम पूरा-पूरी भरोसा रखव। 13मेंह ओकर गवाह अंव की ओह तुम्हर बर अऊ जऊन मन लौदीकिया अऊ हयिरापुलसि म हवंव, ओ जम्मो बर कठोर महिनत-करत हवय। 14लूका, हमर मयारू डाक्टर अऊ देमास तुमन ला जोहार कहत हवंव। 15लौदीकिया के भाईमन ला अऊ बहानी नुमफास अऊ ओ कलीसिया, जऊन ह ओकर घर म जुरथे, ओ जम्मो ज्ञन ला मोर जोहार कहव।

16ए चट्ठी ला पढ़े के बाद, एला लौदीकिया के कलीसिया म पहुंचा देवव, ताकी ओमन घलो एला पढ़ेंय अऊ बदले म ओ चट्ठी जऊन ह लौदीकिया ले आथे, ओला तुमन पढ़व। 17अरखिपुस ला कहव की जऊन काम, परभू म ओला मलि हवय, ओला ओह जरूर पूरा करय। 18में पौलुस ह अपन हांथ ले तुमन ला, ए जोहार लिखत हवंव। सुरता रखव की मेंह जेल म हवंव। तुम्हर ऊपर अनुग्रह होवत रहय।